लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए राहत की खबर, टीम से जुड़े मयंक यादव

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए राहत की खबर आई है और उसके स्टार तेज गेंदबाज मयंक यादव चोट से उबरने के बाद टीम से जुड़ गए हैं। माना जा रहा है कि मयंक जल्द ही मैदान पर वापसी कर सकते हैं। लखनऊ ने सोशल मीडिया पर एक विशेष वीडियो साझा कर मयंक के टीम से जुड़ने की जानकारी दी। लखनऊ का प्रदर्शन अब तक मिलाजुला रहा है और मयंक की वापसी उसके लिए राहत की खबर है। मयंक चोट के कारण भारतीय टीम और आईपीएल 2025 से अब तक बाहर चल रहे थे। उन्होंने बंगलुरू स्थिति भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब प्रक्रिया पूरी की और वह मंगलवार की रात टीम होटल पहुंचे। बताया जा रहा है कि मयंक राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 19 अप्रैल को होने वाले मैच के लिए उपलब्ध होंगे। मयंक 2023 सीजन में चोट के कारण बाहर रहे थे, लेकिन उन्होंने पिछले सीजन पंजाब किंग्स के खिलाफ डेब्यू मैच में ही तीन विकेट झटके थे। इसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अगले मैच में भी उन्होंने तीन विकेट लिए जिससे लगातार दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। हालांकि, उनका अभियान सिर्फ चार मैचों तक ही सीमित रहा क्योंकि साइड स्ट्रेन के कारण वह आगे नहीं खेल सके। पिछले सीजन ज्यादातर समय बाहर रहने के बावजूद लखनऊ फ्रेंचाइजी ने उन पर भरोसा जताया और मेगा नीलामी से पहले मयंक को 11 करोड़ रुपये में रिटेन किया। मयंक ने पिछले आईपीएल सीजन 155 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंककर सुर्खियां बटोरी थी। लखनऊ की टीम ने आईपीएल 2025 में अब तक सात मैच खेले हैं जिसमें से उसने चार मैच जीते हैं, जबकि तीन में उसे हार मिली है। लखनऊ आठ अंक लेकर फिलहाल अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। लखनऊ को चेन्नई सुपर जाएंट्स के खिलाफ पिछले मैच में हार मिली थी।

हैदराबाद के सामने होगी बुमराह की चुनौती

मुंबई को रोहित के फॉर्म में लौटने की उम्मीद

मुंबई। पिछले मैच में अभूतपूर्व जीत दर्ज करने वाले सनराइजर्स हैदराबाद का सामना अब मुंबई इंडियंस से होगा। यह दोनों ही टीमें फिलहाल अंक तालिका में शीर्ष चार में शामिल नहीं हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने दमदार बल्लेबाजी की थी, लेकिन अब इनके सामने जसप्रीत बुमराह की चुनौती होगी जिन्होंने हाल ही में चोट से वापसी की है।

बुमराह नहीं हासिल कर पाए हैं पुरानी लय

चोटिल होने के कारण तीन महीने बाद वापसी करने वाले बुमराह अभी तक अपनी वैसी लय हासिल नहीं कर पाए हैं जिसके कारण उन्हें दुनिया का सबसे खतरनाक तेज गेंदबाज माना जाता है। मुंबई हालांकि, सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के लिए अपने स्टार तेज गेंदबाज बुमराह से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। मुंबई अभी तक केवल दो मैच जीत पाया है और वह अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। दूसरी ओर, हैदराबाद की टीम ने अब तक छह मैच खेले हैं और सिर्फ दो में उसे जीत मिली है। इस तरह वह तालिका में नौवें स्थान पर है।

रोहित की फॉर्म चिंता का विषय

पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के लिए सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की फॉर्म भी चिंता का विषय बनी हुई है। रोहित ने अभी तक आक्रामक रवैया अपनाया है लेकिन उन्हें बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के सामने संघर्ष करना पड़ा है। रोहित अभी तक पांच मैच में 11.20 की औसत से केवल 56 रन बना पाए हैं। मुंबई की बल्लेबाजी कुछ हद तक सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा पर निर्भर रही है और अगर टीम को अपनी स्थिति में सुधार करना है तो रोहित को बड़ी पारी खेलनी होगी।

हैदराबाद करेगी टीम में बदलाव ?

रोहित जिस तरह बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं उसे देखते हुए सनराइजर्स की टीम तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट को इस मैच के लिए प्लेइंग-11 में जगह दे सकती है। सनराइजर्स की टीम अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अपनी बल्लेबाजी पर काफी निर्भर है लेकिन उसके प्रमुख बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। इस मैच में सनराइजर्स के बल्लेबाज ईशान किशन पर भी निगाह होगी जो अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होंगे। वानखेड़े स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल रही है लेकिन गेंदबाज भी इससे मिलने वाली उछाल का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

पंजाब ने कोलकाता को दिए दो गहरे जख्म

2024 में सबसे बड़ा चेज किया, अब सबसे छोटे लक्ष्य का किया बचाव

मुल्लांपुर। आईपीएल 2025 में मंगलवार को पंजाब किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर फैंस का दिल जीत लिया। श्रेयस अय्यर की टीम ने आईपीएल में सबसे छोटे लक्ष्य का बचाव किया। पिछले दो साल में यह टीम कोलकाता नाइट राइडर्स को दो गहरे जख्म दे चुकी है। साल 2024 में सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने के अलावा अब सबसे छोटे लक्ष्य का बचाव किया। इसने केकेआर की टीम को झकझोर कर रख दिया है। इतना ही नहीं, पंजाब ने कई वर्षों से चले आ रहे एक सिलसिले को भी तोड़ा है। आइए जानते हैं पूरा मामला क्या है...पंजाब ने मंगलवार को 111 रन पर ऑल आउट होने के बाद केकेआर की पारी को 95 रन पर समेट कर आईपीएल में सबसे छोटे लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया।

इससे पहले यह रिकॉर्ड चेन्नई सुपर किंग्स के नाम था। सीएसके ने ऐसा 2009 में पंजाब के खिलाफ किया था। तब चेन्नई ने 116 रन बनाए थे और इसका बचाव किया था। वहीं, साल 2024 में जब ये दोनों टीमें आमने-सामने आई थीं, तब पंजाब ने कोलकाता के दिए 262 रन के लक्ष्य को दो विकेट गंवाकर सफलतापूर्वक हासिल किया था। यह आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा चेज था। पंजाब ने इसे 18.4 ओवर में हासिल किया था। जॉनी बेयरस्टो ने 48 गेंद में 108 रन की नाबाद पारी खेली थी, जबकि शशांक सिंह ने 28 गेंद में 68 रन बनाए थे। इसके अलावा प्रभसिमरन सिंह ने 20 गेंद में 54 रन की पारी खेली थी। इससे पहले आईपीएल में सबसे बड़े चेज का रिकॉर्ड राजस्थान के नाम था। उसने 2020 में पंजाब के खिलाफ 224 रन का लक्ष्य हासिल किया था।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने किया वनडे क्रिकेट का समर्थन, बोले- यह एक अलग तरह की चुनौती

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 क्रिकेट की बढ़ती साख के बीच वनडे क्रिकेट के भविष्य का समर्थन किया है। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क के साथ एक पॉडकास्ट में बताया कि किस तरह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अभियान के दौरान उनकी टीम को चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि वनडे क्रिकेट हमेशा से ऐसी चुनौती पेश करता है जो कोई प्रारूप नहीं देता।

रोहित ने वनडे प्रारूप को बताया खास

रोहित ने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा व्यवस्था में टी20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद, वनडे क्रिकेट खेल के सबसे सम्मानित प्रारूपों में से एक बना हुआ है। उन्होंने बताया कि 50 ओवर के प्रारूप से उनका जुड़ाव गहरा है, जो एक क्रिकेटर के रूप में उनके प्रारंभिक वर्षों से जुड़ा है। रोहित ने कहा, मुझे पता है कि वनडे क्रिकेट को लेकर कई तरह की बातें की जाती हैं कि यह स्थायी है या नहीं। हम सभी लोग वनडे विश्व कप, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी देखकर ही बड़े हुए हैं और हमने ये खेल खेला भी है। वो सब मैच रोमांचक होते हैं। मुझे पता है कि वह पहले की बातें हैं क्योंकि लोग अब टी20 क्रिकेट देख रहे हैं, लेकिन वनडे क्रिकेट की चुनौती अलग ही है।

शेयर बाजार में हरे निशान पर क्लोजिंग

नई दिल्ली। बैंकिंग शेयरों में खरीदारी और विदेशी फंड के ताजा प्रवाह के कारण बुधवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। खुदरा मुद्रास्फीति के छह साल के निचले स्तर पर पहुंचने से ब्याज दरों में और कटौती की उम्मीद बढ़ी है, इसका बाजार के मूड पर सकारात्मक असर पड़ा। वैश्विक बाजार में कमजोर रुख को दरकिनार करते हुए 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बुधवार को उतार-चढ़ाव भरे सत्र में 309.40 अंक या 0.40 प्रतिशत चढ़कर दो सप्ताह के उच्चतम स्तर 77,044.29 पर बंद हुआ। कमजोर शुरुआत के बाद, सत्र के दौरान सूचकांक कई बार हरे और लाल निशान के बीच झूलता दिखा। सेंसेक्स 566.46 अंकों की तेजी के साथ 77,110.23 के उच्चतम और 76,543.77 के निम्नतम स्तर तक पहुंचा। दूसरी ओर, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 108.65 अंक या 0.47 प्रतिशत बढ़कर 23,437.20 अंक पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार बाजार में महंगाई से जुड़े सकारात्मक आंकड़ों और सामान्य मानसून के पूर्वानुमान से भी निवेशकों के बीच खरीदारी की धारणा को बढ़ावा मिला। सेंसेक्स के शेयरों में इंडसइंड बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा 7.12 फीसदी की तेजी आई। बैंक ने बताया कि वैश्विक एजेंसी पीडब्ल्यूसी ने डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में अकाउंटिंग खामियों के कारण बैंक के नेटवर्थ पर 1,979 करोड़ रुपये का नकारात्मक प्रभाव पड़ने का आकलन किया है। वहीं, एक्सिस बैंक में 4.26 फीसदी की तेजी आई जबकि अदाणी पोर्ट्स में 1.81 फीसदी की तेजी आई। एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक और आईटीसी के शेयरों में तेजी आई। मारुति के शेयर सबसे ज्यादा 1.51 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुई। इंफोसिस, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टूब्रो, एनटीपीसी और बजाज फाइनेंस के शेयर भी नुकसान में रहे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) ने कई दिनों की बिकवाली के बाद मंगलवार को 6,065.78 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर के अनुसार वैश्विक स्तर पर, टैरिफ तनाव बढ़ने के कारण बाजार में नए रुझान नजर आ रहे हैं।

घरों की बिक्री में 19 फीसदी की भारी गिरावट

महंगाई ने मारा घर खरीदने का सपना

नई दिल्ली। पूरे देश में घरों की बिक्री में भारी गिरावट आई है। देश के आठ सबसे बड़े शहरों में घरों की बिक्री और नए घरों की लांचिंग में 19 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इसे वैश्विक बाजार में रोजगार के अवसरों को लेकर लोगों की अनिश्चितता का परिणाम बताया गया है। महंगे होम लोन के कारण भी निवेशक घर खरीद से पीछे हटने के लिए मजबूर हुए हैं। इसके पहले की तिमाही अक्तूबर-दिसंबर 2024 में भी घरों की बिक्री में 26 फीसदी और नए घरों की लांचिंग में 33 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई थी। इसका असर निर्माण और रियल स्टेट सेक्टर में काम कर रहे लोगों के रोजगार पर पड़ सकता है। बंगलूरू और चेन्नई को छोड़कर देश के सभी शहरों में घरों की बिक्री में कमी दर्ज की गई है, जबकि अहमदाबाद, हैदराबाद और पुणे में घरों की खरीद-बिक्री में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई है। बंगलूरू में घरों की बिक्री में 13 प्रतिशत और चेन्नई में आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि कोलकाता में केवल एक फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। हैदराबाद और मुंबई में घरों की बिक्री में सबसे ज्यादा 26-26 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि

पुणे में भी घरों की बिक्री में 25 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। प्रॉपटाइगर डॉट कॉम की ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जनवरी-मार्च 2025 की पहली तिमाही में देश के सबसे बड़े आठ शहरों में होम सेल्स में 19 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। इस दौरान डेवलपर द्वारा नए घरों की उपलब्धता में भी दस फीसदी की गिरावट आई है। घरों की बिक्री में कमी का सबसे बड़ा कारण वैश्विक बाजार में अनिश्चितता और घरों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी को माना गया है। निर्माण क्षेत्र में सीमेंट, स्टील, परिवहन और फर्नीचर जैसी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण घरों का निर्माण महंगा हुआ है। इससे लोगों की खरीद क्षमता में घरों की उपलब्धता का संकट पैदा हुआ है। इसका असर प्रॉपर्टी और निर्माण क्षेत्र की नौकरियों पर पड़ सकता है। इस सेक्टर में काम कर रहे श्रमिकों को इसका सीधा नुकसान होने की संभावना है। अक्तूबर-दिसंबर 2024 की तिमाही में भी पूरे देश में घरों की बिक्री में कमी दर्ज की गई थी। इस समय अवधि में दीपावली और नवरात्रि-दशहरा जैसे त्योहारी सीजन होने के बाद भी घरों की बिक्री में 26 प्रतिशत की भारी गिरावट आई थी। इस गिरावट का यह परिणाम हुआ था कि प्रॉपर्टी सेक्टर में काम करने वाली कंपनियों ने नए प्रोजेक्ट को लांच करने में कटौती कर दी। इस तिमाही में नए प्रोजेक्ट्स की लांचिंग में पिछले वर्ष की इसी समय अवधि की तुलना में 33 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। लगातार दो तिमाही में घरों की बिक्री और नए घरों के प्रोजेक्ट्स लांच होने में कमी का असर सीधे तौर पर रोजगार के अवसरों को प्रभावित करता है। नए होम प्रोजेक्ट्स की लांचिंग में कमी से निर्माण क्षेत्र में काम कर रहे श्रमिकों के रोजगार पर गहरा नकारात्मक असर छोड़ सकता है। इससे देश की इस बड़े वर्ग के हाथ में पैसे की कमी आवश्यक वस्तुओं की खरीद-बिक्री और उत्पादन को भी प्रभावित कर सकता है। रिजर्व बैंक ने लगातार दो बार रेपो दरों में कटौती की है। इससे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, महाराष्ट्र बैंक और बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी ब्याज दरों में कटौती की है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि रिजर्व बैंक ने इस तरह का कदम न उठाया होता तो इस तिमाही में रियल स्टेट सेक्टर में और अधिक मंदी आ सकती थी। लेकिन ब्याज दरों के कम होने से कुछ निवेशक घर खरीद को अपनी प्राथमिकता में रख सकते हैं।

भारत में पहली बार परीक्षण के तौर पर ट्रेन में एटीएम लगाया गया

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने ट्रेनों में एटीएम लगाकर सफल परीक्षण किया है। जो अपने आप में सबसे बड़ी पहल है। वहीं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसका वीडियो भी साझा किया है। जिसमें एटीएम को ट्रेन में कहा लगाया गया है, इसे समझाया गया है। इस खास पहल का मकसद जनता को ट्रेन के सफर के दौरान भी पैसे निकालने की सुविधा देना है। भारत में पहली बार किसी ट्रेन के अंदर एटीएम मशीन लगाई गई है। इस तरह का पहला प्रयोग महाराष्ट्र की मनमाड-सीएसएमटी पंचवटी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12110) में किया गया है। इस पहल को ड्रू एटीएम ऑन व्हील्स - नाम दिया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस एटीएम की वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर शेयर की है, जो खूब चर्चा में है। यह पहल रेलवे बोर्ड के उस निर्देश का हिस्सा है जिसमें कहा गया था कि यानि किराए के अलावा कमाई बढ़ाने के लिए नई और नयी सोच के तरीके अपनाए जाएं। इसी के तहत 25 मार्च 2025 को रेलवे ने सभी संभावित वेंडरों के साथ एक बैठक की। इस बैठक में चलती ट्रेनों में मोबाइल एटीएम लगाने का विचार रखा गया, जिसे बाद में मंजूरी भी मिल गई। ट्रेन में एटीएम का का पहला ट्रायल 10 अप्रैल 2025 को मनमाड-सीएसएमटी पंचवटी एक्सप्रेस में किया गया। ट्रेन के मिनी पैंट्री (छोटे किचन) वाले हिस्से को एटीएम लगाने के लिए तैयार किया गया।

अच्छा मानसून निवेशकों को दे सकता है कमाई का जबरदस्त मौका

नई दिल्ली। मौसम के पूर्वानुमान पर सरकार, किसान के साथ साथ शेयर बाजार की भी नजरें होती हैं। हमारे देश की करीब आधे से ज्यादा खेती और किसानी पर निर्भर है। अच्छी बारिश से कृषि का उत्पादन बढ़ता है। इससे ग्रामीण आय बढ़ने के साथ ग्रामीण खपत में भी तेजी देखी जाती हैं। ऐसे में कई सेक्टर पर इसका सीधा प्रभाव देखने को मिलता है। भारतीय मौसम विभाग ने 2025 के मानसून को लेकर अपना अपना अनुमान जारी कर दिया है। विभाग ने इस वर्ष सामान्य से 105 प्रतिशत बारिश हो सकती हैं। वहीं अल नीनो की स्थिति भी न्यूट्रल रहने की उम्मीद है। ऐसे में यह खबर न केवल किसानों के लिए राहत लेकर आई है, बल्कि शेयर बाजार के लिए भी अहम संकेत देती है। दरअसल, मौसम के पूर्वानुमान पर सरकार, किसान के साथ साथ शेयर बाजार की भी नजरें होती हैं। हमारे देश की करीब आधे से ज्यादा खेती और किसानी पर निर्भर है। अच्छी बारिश से कृषि का उत्पादन बढ़ता है। इससे ग्रामीण आय बढ़ने के साथ ग्रामीण खपत में भी तेजी देखी जाती हैं। ऐसे में कई सेक्टर पर इसका सीधा प्रभाव देखने को मिलता है। आर्थिक जानकारों का कहना है कि, इस समय निवेशकों को घरेलू अर्थव्यवस्था से जुड़े पहलुओं पर ध्यान देने की जरूरत है। टैक्स में

कमी, अच्छे मानसून का पूर्वानुमान और दरों में कटौती का सीधा फायदा बैंक, एफएमसीजी, रियल एस्टेट, पर्यटन और ट्रैवल से जुड़े सेक्टर के साथ कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर पर पॉजिटिव असर दिखाई देगा। अच्छी बारिश फसलों की स्थिति सुधरती हैं और किसानों को अच्छी पैदावार मिलती है। इससे किसानों की भी आय में बढ़ोतरी होती है। इससे बीज, खाद्य-कीटनाशक तैयार करने वाली कंपनियों को अच्छा मुनाफा होता है। इसमें ट्रैक्टर सेगमेंट के अलावा फर्टिलाइजर तैयार करने वाली कंपनियों के शेयर मानसून सीजन में बड़े अहम हो जाते है। आमतौर पर यह भी देखा गया है कि, अच्छी बारिश और अच्छी फसल से किसानों के लोन डिफॉल्ट्स कम होते है। इससे बैंकों के एनपीए में कमी आती है और एसेट क्वालिटी में सुधार आता हैं। इससे सरकारी बैंक के अलावा प्राइवेट बैंक और लोन देने वाली एजेंसियों के स्टॉक्स पर फोकस बढ़ जाता है। मानसून सीजन के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में दोपहिया, ट्रैक्टर और एंट्री-लेवल कारों की बिक्री बढ़ती है। इससे इन्हें बनाने वाली कंपनियां या इससे जुड़ी कंपनियों के शेयर पर सीधा असर देखने को मिलता है। ग्रामीण आय के बढ़ने से खतप में तेजी देखने को मिलती हैं। ऐसे में एफएमसीजी सेक्टर भी अहम हो जाता है। रोज प्रयोग होने वाले उत्पादों की मांग पर सकारात्मक असर दिखाई देता है। इसका असर कंपनियों के तिमाही नतीजों पर पड़ता है। अच्छे मानसून का रिटेल सेक्टर भी प्रभाव दिखाई देता है।